05/10/2013; Issue 022; ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्लि कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418431531
- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418411599

बुद्धि त समजदारि कहावते

- ऐस कहावते बोलि बुद्धि, त समजदारि बोक, समजाणन जे मेति।
- बुद्धि तुं धे खुशि देन्ति त तुं जिन्दगि शान्त बड़ाई छती।
- जि लोहा, लोहे चमकान्ता। तिहाणी मेहणु,तसे मित्रे गुण चमकान्ते।
- मित्र सोब टेम प्रेम जुओइ बिशता, विपताई दिनी अन्तर भाई कम एन्ता।
- जे तें त तें बोउए बी मित्र भो, से छडी न दे। अपु दुखे दिनी या विपताई दिनी अन्तर अपु भाई गी न घेण। प्रेम करणे बाडा भैयाड़ दूरे भाई केआं सुअ अबल भुन्ता।
- सुआ मित्र बधाणे बेलि नाश भोई घेन्ता पर खरा दोस्त बी भुन्ता जे भाई केंआ बी ज्यदा ट्यारा भुन्ता।
- जि सेन्टे मुशक बडिया भुन्ति तियाणी मित्रे सल्हा हें मन खुश कइ छती।
- जे अपु मन साफ रख कइ दया जुओइ बोक कते राजा बि तसे मित्र बण घेन्ता।
- परमेश्वेर डर ज्ञान बणाने शुरुवात भो। पर मूर्ख मेहणु बुद्धि बोकि कें इजत न कते त रशुणी लगति।
- बुद्धि परमेश्वर देन्ता। ज्ञान त समजदारी बि सेइंए देन्ता।
- परमेश्वर अपु बुद्धि बइ धरति बड़ाई, त तसे ज्ञाने बइ अम्मर पुठे रखो असा।
- बुद्धि न माणने मेहणु मर घेन्ते। मुर्ख मेहणु तेसे बथ हंन्टण जे सन्तुश्टि कते से बथ तस खतम कइ छति।
- जे अकलदार असे से खुश भुन्ते। बुद्धि खरि जिन्दगी देन्ति।
- अगर तुसी केईं बुध्दि असी तसे खरा फल बी तुसी मेंता, तुस बुध्दि छाड दिएल त तसे बुरा फल बी तुसी मेंता
- गलत-गलत कम जे मजा उडाणे बाडे मुर्ख भो, पर समझदार मेहणु बुध्दि जोइ मजा नेते।
- इ पक्की बोक असी कि बुध्दि तु अत्मा जोइ खरी असी, अगर तु तस पाइ घियाल त तसे फल बी मेइ घेन्ता, त ते आश बी न टुटती।
- बुद्धि सुने त चान्दि केंआ बि कीमति असि। कसे चिज जुओइ बुद्धि बराबरी न भुन्ति

फियुड त उधमी गभुरू

यक ग्रां यक अबल बगीचा थिआ।तस बगीचे अन्तर अबल-अबल फियुड लगो थिए। तस बगीचे देख-भाल यक माली कताथ। से रोज के तन्ही फियुडु पवॉणी देन्ताथ।तस बगीचे भेड़ यक घर थिआ।तन्के यक गभुर थियु।से सुआ उधमी थियु। से गभुर रोज के तस बगीचे घेंताथ त फियुड जोइ खेलताथ। पर जिखैइ माली उघुण जे घेन्ताथ,त से गभुर दुबारी बगीचे ऐइ कइ फियुड टोड़ छताथ त टोडो फियुड इए उओ फटाइ छताथ। रोज बगीचे हाल हेर कइ माली बचारा परीशान भोइ गओ थिआ,कि सोब फियुड कोउ नै लगो असा।उओ फियुड बी परशान भोइ गआ।से बोलण लगे कि अस बर्बाद भुण जे थोडी लगो असे।अस त सुआ

फियुड त उधमी गभुरू

Cont.....

अबल असे।अस रंग-रंगी अबल फियुड गीहे त बगीचे शोभा बडाते,त अबल-अबल मुशख बी देन्ते।असी भगवाने अगर बी चढाते।बोड़े -बोडे वीर मेहणु के अर्थी पुठ बी चढाते।होर खरे-खरे मेहणु के कियडी बइ बी फियुड के मडेइ लाते।पर अ गभुर सुआ उधमी असु,अनी अस सुआ परशान कइ छओ असे। अ असी टोडतु त ये त वो फटाइ छातु, सोभी फियुडु अपु परीशानी अपु राजे गुलाब जे बोली,राजा गुलाब अपु दोस्ती फियुडु के परीशानी शुण कइ दु:खी भोइगा।गुलाबे यक बोक सोची,तेन सोभी फियुडु जे बोलु कि जिखैइ से उधमी गभुर बगीचे ऐइएल त तुसी सोभी फियुडु नोक घेण त अउ खिलोरा बशता। तिखैइ सोभी फियुडु तिहाड़ी कियु।जिखैइ उधमी गभुर बगीचे अ त तिखैइ सोब फियुड तस हेर कइ नोक गअ।सिर्फ गुलाब खिलोरा बठा।तेन गभुर से गुलाबे फियुड काऊ त से सोचु लगा किस न मठे अस गुलाबे फियुड टोडी छड़ू? अभेइ माली बी उघो असा।तउ से गुलाबे फियुडु भेणगा त तस टोडु लगा,त गुलाबे फियुडु अपु कटा तस गभुर अगुल पुडाइ छाडा।गभुरू अगुल केआ लहु नसण लगु,त तस सुआ चड़ग बी लगी।चड़गी वझाइ जोइ तेन गभुरू लम्मी लिअरी दीती।तसे लिअरी शुण कइ माली उघं बीझ गई।माली दौड़ देन्ता बहरी आ।तेन बगीचे अन्तर से गभुर काउ त दौड़ण दी कइ तसे भेण ऐइगा, त तेन से टइ छऊ।माली से गभुर डरो,मडु त समझो बी। तउ तस गभुर समझ ऐइ गई,त तस अपु गलती एहसास भोइगा।तेन बोलु, अउ अब कदी फियुड न टोड़ता।सोब फियुड गभुरू बोक शुण कइ खुश भोइग, त खुशी जोइ से सोब नचण त घीत लाण लगे। तउ से गभुर तठिया अपु गी जे घेइगु। .....बबीता

कुछ खास खबर

- 26 सितम्बर 2013हिमाचले मुख्या मन्तरी पगेइ दौरे पुठ अओ थिये। तस जोइ मण्डी लोक सभा सदस्या मति प्रतिभा सिहं बी अओ थी।वन मन्तरी ठाकुर सिहं भरमौरी राजा साहब केआ टाइ रोज पहेला अओ थिआ।तन्ही जोइ शिमले केआ होरे बी मेहणु अओ थिए।राजा साहबे पगेइ मेहणु के सोब डिमांड पुरी करणे बादा किओ असा।तेन चेहेनी पास सुरग त बी:एस:एन:एल टावर लाणे सिधांतिक घोषणा की।
- जिला स्तरीय फुलयात्र मेला 14 अक्तुबर केंआ 16 अक्तुबर तकर किलाड़ मनेईण लगोसे।

टाइ मेहणु यक मोटरसाइकिल पुठ बिश कइ गओ असे ..... बबीता

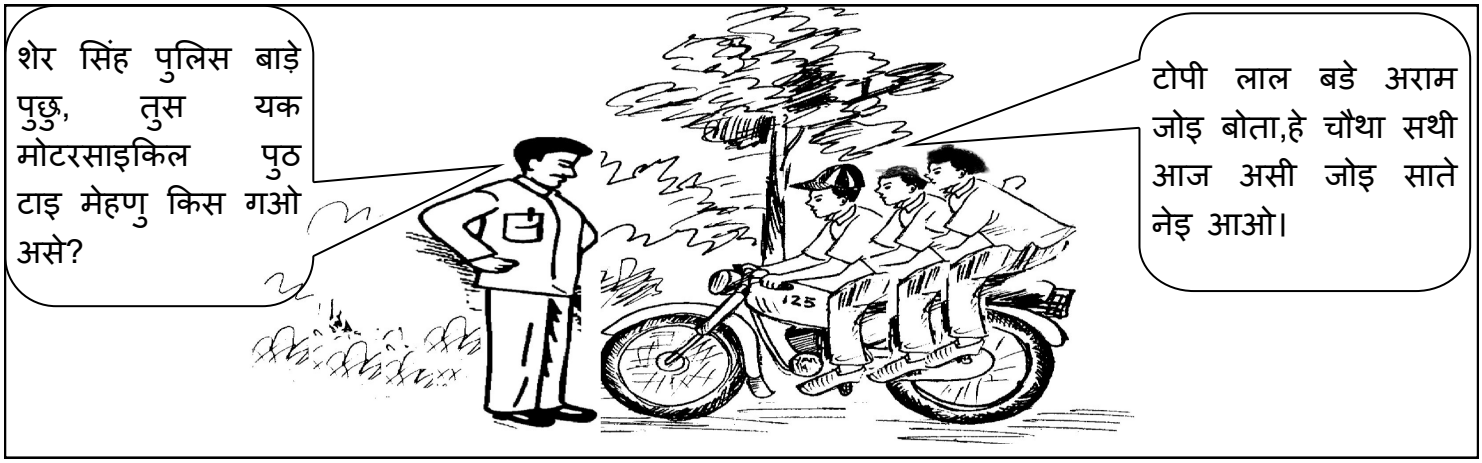

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

तुबारि संपादकीय टीमे कनारा,तुबारि पंढू बाड़ि जे त सोभी पंगेई मेहणु जे फुलयाटे बधे।
दुर-दुर केआ किलाड़ फुलयाट हेरण जे ऐणे बाड़ी सोभी के तुबारि संपादकीय टीम स्वागत कती।

तुस कोउ भीन्त?

तुस कोउ भीन्त ? कथा सग्रह किताब पंगवाड़ी अन्तर झट ऐणे बाडी असी।

इस किताब अन्तर सहुकारे सत कुइ, सहुकार त ढामुसलु, जी देशी कथा त चोउर जुएली, छड़ी निशाण, कर भला हो भला होरी-होरी बड़ीया कथाइ जोइ तुस कोउ भींत किताब तुसी बड़िया मजा त खुशी देंती इ: किताब सिर्फ 2013 फिलयाट मेला या पंगवाड़ी बेबसाइड www.pangi.in अन्तर मेती।

Physical Medicine Rehabilitation Clinic

DR.ROSY DHANUNJAY. Moth **9418411599**

रीड़े हड्डी चोट, जिस्म सुन भुणे बिमारी, मोडु चिंग, जियेंणु चिंग, टुटो हड्डी, अपंग त होरि बिमारी के हस्पताड़ रिफ्रेन्स बोलि मरीजे ईलाज इठि भून्ता।

Cerebral palsy, Paralysis, Spinal cord injury, Spondylosis, Physiotherapy and Physical disability counseling etc treatment is available here. .Timings:- Monday to Friday 10.00AM to 01.00.PM

. ***Specialized in Neurosciences***